



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 25 जून, 2003/4 आषाढ़, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय भू-व्यवस्था अधिकारी, शिमला मण्डल, शिमला-171009

विज्ञापन बाबत तजवीज जमा जदीद उप-तहसील टिक्कर, जिला शिमला

उप-तहसील टिक्कर, जिला शिमला के लिए बन्दोबस्त हाल में जिस कदर नवीन भू-राजस्व कायम करने की तजवीज (प्रस्तावना) है, उसका मदवार विस्तृत ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

1. उप-तहसील टिक्कर में हाल बन्दोबस्त में कुल 46 मुहालात कायम किये गये हैं। भू-राजस्व की कायमी के लिए दो निर्धारण-मण्डल (चक तणखीश) 1. नेवलमझेठ और 2. पर्वत कायम किये गये। नेवल-मझेठ में 7 और पर्वत में 39 मुहालात रखे गए हैं, जिनका विज्ञापन जन-साधारण की सूचना हेतु बहुत पहले जारी किया जा चुका है और नियमानुसार सरकार से स्वीकृति भी प्राप्त की जा चुकी है।

2. हाल बन्दोबस्त में इस उप-तहसील में जिस कदर अक्साम आराजी प्रयुक्त की गई है, उन पर अस्ति झाड़ पैदावार अनाज आदि की गणना हेतु फसल खरीफ, 1983 और रबी, 1984 के आकड़े प्रयुक्त करने

बारे नियमानुसार सरकार से स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है। आंकड़े हैक्टेयरों में, रकबा खराबा और खाली के अतिरिक्त निम्न प्रकार से है :—

चक तशखीश "नेवल-मस्रोठ"

नम्बर शुमार	किस्म भूमि	रकबा जेर अजनास फसल खरीफ, 1983	रकबा जेर अजनास फसल रबी, 1984	जोड़ कुल रकबा जेर अजनास
1	2	3	4	5
1.	क्यार अन्वल	11	3	14
2.	बाखल अन्वल	148	87	235
3.	बाखल दोयम	55	52	107
4.	बाखल सोयम	5	3	8
5.	वागीचा बाखल अन्वल	125	—	125
जोड़ ..		344	145	489

चक तशखीश "पर्वत"

नम्बर शुमार	किस्म भूमि	रकबा जेर अजनास फसल खरीफ, 1983	रकबा जेर अजनास फसल रबी, 1984	जोड़ कुल रकबा जेर अजनास
1	2	3	4	5
1.	क्यार अन्वल	4	1	5
2.	क्यार दोयम	4	3	7
3.	क्यार सोयम	1	—	1
4.	बाखल अन्वल	511	462	973
5.	बाखल दोयम	326	258	584
6.	बाखल सोयम	2	—	2
7.	कराली	95	88	183
8.	वागीचा बाखल अन्वल	644	78	722
जोड़ ..		1587	890	2477

3. उप-तहसील टिककर की जरायती अराजी में झाड़ पैदावार आदि का अनुमान लगाने के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा झाड़ पैदावार (प्रति हैक्टेयर, किलोग्रामों में) जो निर्धारित की गई, उसका किस्मवार ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

चक तशखीश "नेवल-मस्रोठ"

फसल खरीफ :

1. क्यार अन्वल
घन = 2100
2. बाखल अन्वल

1. धान=1900, 2. मक्की=2400, 3. चीना=1100, 4. कोदरा=1600, 5. चलाई=1100,
6. कांवली=800, 7. माश=825, 8. कुलथ=950, 9. बालड़ी=800, 10. कोल=250, 11. मिर्च=9000, 12. कचालू=16000, 13. आलू=8200.

3. बाखल दोयमः

1. धान=1850, 2. मक्की=2300, 3. कोदा=1500, 4. चलाई=1000, 5. कुलथ=900,
6. मटर=500, 7. आलू=8100.

4. बाखल सोयमः

1. धान=1800, 2. मक्की=2200, 3. कोदा=1450, 4. आलू=8000.

5. बागीचा बाखल अक्वलः

फल=1200 रुपये प्रति हैक्टेयर

6. बागीचा बाखल दोयमः/फल=1200 रुपये प्रति हैक्टेयर

फसल रबी :

1. क्यार अक्वलः

1. गन्धम=2200, 2. जौ=1700.

2. बाखल अक्वलः

1. गन्धम=1900, 2. जौ=1500, 3. सरसों=900, कला=2500.

3. बाखल दोयमः

1. गन्धम=1800, 2. जौ=1400.

4. बाखल सोयमः

1. गन्धम=1700, 2. जौ=1300.

चक तशखोश "पर्वत" :

फसल खरीफ :

1. क्यार अक्वलः

धान=2000.

2. क्यार दोयमः

धान=1950

3. क्यार सोयमः

धान=1925

4. बाखल अक्वलः

1. धान=1800, 2. मक्की=2300, 3. चीना=1000, 4. कोदा=1500, 5. चलाई=1000,
6. ओगला=500, 7. माश=700, 8. कुल्थ=900, 9. बालड़ी=700, 10. तिल=200, 11. कचालू=15000,
12. मटर=500, 13. आलू=8000, 14. सब्जी=5000.

5. बाखल दोयमः

1. धान=1750, 2. मक्की=2250, 3. चीना=950, 4. कोदा=1450, 5. चलाई=950,
6. ओगल=450, 7. कोगणी=600, 8. माश=350, 9. कुल्थ=850, 10. कचालू=14000,
11. मटर=450, 12. आलू=7900.

6. बाखल सोयमः

आलू=7800

7. करालीः

1. मक्की=2100, 2. कोदा=1425, 3. चलाई=900, 4. माश=600, 5. कुल्थ=800,
6. मटर=400, 7. आलू=7600.

8. बागीचा बाखल अक्वलः

फल=1000 रुपये प्रति हैक्टेयर

9. बागीचा बाखल दोयमः

फल=1000 रुपये प्रति हैक्टेयर

फसल रबी:--

1. क्यार अक्वलः

1. गन्दम=2000.

2. क्यार दोयमः

1. गन्दम=1900.

3. बाखल अक्वलः

1. गन्दम=1800, 2. जौ=1400, 3. सरसों=700, 4. मसर=400, 5. आलू=7500,

4. बाखल दोयमः

1. गन्दम=1700, 2. जौ=1300, 3. सरसों=650.

5. कराली:

1. गन्दम=1500, 2. जौ=1200, 3. सरसों=600.

6. वागीचा बाखल अन्वल:

1. गन्दम=1600, 2. जौ=1250, 3. मसर=7400.

4. जिन्हीं से होने वाली वार्षिक आमदनी का अनुमान लगाने के लिए जो भाव अजनाम प्रति क्विंटल, रुपयों में निर्धारित किये गये हैं, उसकी सूचना उप-नहमील टिक्कर की आम जनता को पहले ही प्रेषित की जा चुकी है तथा ये भाव अजनाम प्रयुक्त करने के लिए नियमानुसार सरकार हिमाचल प्रदेश से स्वीकृति भी प्राप्त की जा चुकी है। निर्धारित भाव अजनाम चक तशखीशवार निम्न प्रकार से है :—

नम्बर शुमार	नाम फसल	भाव अजनाम जो प्रति क्विंटल, रुपयों में निर्धारित किये गये हैं	
		चक	तशखीश
1	2	नेवल-मझेठ 3	पर्वत 4

फसल खरीफ :

1.	धान	300	290
2.	मक्की	250	220
3.	कोदा	170	160
4.	चीना	40	35
5.	चलाई	100	90
6.	बाधू	400	380
7.	ओगला	110	100
8.	फाफरा	60	50
9.	चावरू	30	20
10.	कांगणी	100	90
11.	माश	600	550
12.	राजमाह	700	650
13.	रोंगण	600	580

निर्धारित भाव अजनाम मजकूर :

14.	कुल्थ	350	300
15.	बालड़ी	650	625
16.	रौंगी	600	580
17.	सोयाबीन	700	680
18.	भरठ	400	390
19.	मटर	200	180

1	2	3	4
20.	मिर्च	1200	1180
21.	आलू	400	370
22.	सब्जी	450	440
23.	फल	450	440
		प्रति हैक्टर	प्रति हैक्टर
24.	क्वालू	300	290
25.	तिल	800	790
फसल रबी :			
1.	गन्धम	250	240
2.	जौ	200	130
3.	सरसों	600	590
4.	मसर	450	440
5.	चना	400	380
6.	अलसी	380	370
7.	प्याज	200	170
8.	लहसुन	300	280
9.	अदरक	330	320
10.	सब्जी	310	300
11.	आलू	300	290
12.	मटर	400	390
13.	कलों	200	180
14.	धनिया	600	590

5. उक्त पैरा 1 से 4 तक वर्णित अनुसार फसलों से होने वाली आय का आकलन किया गया। कुल वार्षिक आय में जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान के लिए 3 प्रतिशत और खराब फसल के लिए 7 प्रतिशत और इस प्रकार कुल 10 प्रतिशत छूट दी गई। शेष 92 प्रतिशत की वार्षिक शुद्ध आय तसब्बर किया गया। चक तशखीश नेवल-मझेठ में यह आय जो वरामद हुई है उसमें से सरकार का भाग 2,17,569/- रुपये और तशखीश पर्वत में इस प्रकार की आय में सरकार का भाग 10,80,488/- रुपये बनता है। अतः उप-नहसील टिककर के रकबा मजरूआ पर उक्त गणना द्वारा 12,98,057/- रुपये नवीन भू-राजस्व कायम किया जा सकता है, परन्तु हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1953 (संशोधित, 2000) में वर्णित प्रावधानों के अनुसार साविक बन्दोवस्त में लगाए भू-राजस्व में दो गुणा से अधिक वेशी नहीं दी जा सकती। इसलिए भू-राजस्व अधिनियम में वर्णित प्रावधान को ध्यान में रखते हुये चक तशखीश "नेवल-मझेठ" के रकबा मजरूआ (वागीचा के अतिरिक्त क्योंकि साविक बन्दोवस्त में रकबा वागीचा पर कोई भू-राजस्व नहीं लगा है) पर 90 प्रतिशत और चक तशखीश "पर्वत" के रकबा मजरूआ (रकबा वागीचा के अतिरिक्त) पर 80 प्रतिशत वेशी दी जाकर नवीन भू-राजस्व कायम करने की प्रस्तावना है। रकबाजात वागीचा पर नवीन भू-राजस्व फसल कटाई प्रयोगों के आधार पर कुल वार्षिक आय में से सरकार के भाग की गणना की गई जो भू-राजस्व दर 25/- रुपये प्रति हैक्टेयर वरामद हुई है इस गणना में कुछ छूट देते हुए रकबाजात वागीचा के लिए हाल बन्दोवस्त में नवीन भू-राजस्व दरें 18/- रुपये से 20 रुपये तक कायम करने की प्रस्तावना है।

6. उक्त पैरा-5 में वर्णित भू-राजस्व दरें व मांगें जिस कदर रकबा मजकूर क लिए हाल बन्दोबस्त में किस्मवार व चक नशखीशवार कायम करने की प्रस्तावना है, निम्न प्रकार में है :

नेबल-मसैठ

(रकबा हैक्टेयरों में और भू-राजस्व दरें व मांगें रुपयों में)

नम्बर सुमार	किस्म भूमि	रकबा	भू-राजस्व दर प्रति हैक्टेयर	भू-राजस्व मांग
1	2	3	4	5
1.	क्यार अश्वल	13	8.00	104.00
2.	बाखल अश्वल	162	4.50	729.00
3.	बाखल दोयम	73	3.00	262.00
4.	बाखल सोयम	7	3.00	21.00
5.	बागीचा बाखल अश्वल	125	20.00	2500.00
जोड़		380	—	3616.80
				अर्थात् 3617 रुपये

"पर्वत" :

1.	क्यार अश्वल	4	7.90	31.60
2.	क्यार दोयम	4	7.80	31.20
3.	क्यार सोयम	1	7.50	7.50
4.	बाखल अश्वल	614	4.45	2732.30
5.	बाखल दोयम	524	3.55	1860.20
6.	बाखल सोयम	3	2.95	8.85
7.	कराली	241	2.90	698.90
8.	बागीचा बाखल अश्वल	644	19.00	12236.00
9.	बागीचा बाखल दोयम	कम अज हैक्टेयर	18.00	-
जोड़		2035	—	17606.55
				अर्थात् 17607 रुपये

रकबा घासनी :

7. साविक बन्दोबस्त में रकबा घासनी केवल मुहाल जगटेरली, खारला, और डी0पी0 एफ0 जगटेरली अश्वल तथा रमटेहड़ी में हो पैमूद थीं बाकी रकबा घासनी बिला पैमूद था। साथ ही ऐसे रकबाजात पर केवल 1.08 रुपये ही भू-राजस्व मांग कायम की गई थी। हाल बन्दोबस्त में रकबाजात घासनी पैमूद किए गए और ऐसे रकबाजात पर नवीन भू-राजस्व कायम करने के लिए तद्दीन रामपुर और उत-तहसील ननखड़ी के रकबाजात

घासनी के लिए स्वीकृत भू-राजस्व दरों को तुलनात्मक गण्य किया गया। अतः उप-तहसील टिक्कर के रकबाजात घासनी पर निम्न प्रकार से भू-राजस्व दरें व मांग प्रस्तावित है :

(रकबा हैक्टेयरों में और भू-राजस्व दरें व मांग रुपयों में)

चक तशखीश	रकबा	भू-राजस्व दर प्रति हैक्टेयर	भू-राजस्व राशि
1	2	3	4
1. नेवल-मझेठ	6	2.00	12.00
2. पर्वत	75	1.90	142.50
जोड़ ..	81	—	154.50
			अर्थात् 155 रुपये

रकबा बंजर कदीम :

8. साविक बन्दोबस्त में ऐसे रकबाजात विला पैमूद रखे गए थे और जो पैमूद किए भी गए थे, उन पर भू-राजस्व कायम नहीं किया गया था। हाल बन्दोबस्त में इस उप-तहसील में केवल बंजर कदीम ही किस्म बरामद हुई है तथा ऐसे रकबाजात का काश्त में पुनः आना काफी सम्भावित होता है और रकबाजात में घास की पैदावार रकबाजात घासनी की अपेक्षा अधिक होती है। इसलिए रकबाजात बंजर कदीम पर हाल बन्दोबस्त में भू-राजस्व दर व मांग निम्न प्रकार से प्रस्तावित है :—

(रकबा हैक्टेयरों में और भू-राजस्व दरें तथा मांग रुपयों में)

चक तशखीश	रकबा	भू-राजस्व दर प्रति हैक्टेयर	भू-राजस्व राशि
1	2	3	4
1. नेवल-मझेठ	21	2.50	52.50
2. पर्वत	153	2.40	367.20
जोड़ ..	174	—	419.70
			अर्थात् 420 रुपये

रकबा वन और बनी :

9. साविक बन्दोबस्त में ऐसे रकबाजात पर कोई भी राजस्व दरें कायम नहीं हुई हैं। हाल बन्दोबस्त में ऐसे रकबाजात पर नवीन भू-राजस्व कायम करने से पूर्व हाल ही में सम्पन्न हुए बन्दोबस्त तहसील रामपुर और उप-तहसील ननखड़ी के लिए ऐसे रकबाजात के लिए स्वीकृत भू-राजस्व दरों को ध्यान में रखा गया है। अतः

रकबा वन और वनी के लिए हाल बन्दोवस्त में जो नवीन भू-राजस्व दरें व मांग प्रस्तावित हैं, निम्न प्रकार से हैं:—

(रकबा हैक्टेयरों में और भू-राजस्व दरें व मांग रुपयों में)

चक्र तशखीश	किस्म भूमि	रकबा	भू-राजस्व दर प्रति हैक्टेयर	भू-राजस्व राशि
1	2	3	4	5
1. नेवल-मझठ	1 वन	13	1.50	19.50
2. पर्वत	1 वन	55	1.40	77.00
	2 वनी	1	1.30	1.30
	जोड़	69	—	98.70
			अर्थात्	98 रुपये

घराट (पनचक्कियां) :

10. साबिक बन्दोवस्त में पानी से चलने वाले घराट पैमद नहीं किए थे और न ही वैसे घराटों के लिए घराटगाना ही तय किया था। हाल बन्दोवस्त में ऐसे घराटों पर भू-राजस्व दरें प्रति चक्की घराट के जारी रहने की अवधि के अनुसार उप-तहसील ननखड़ी की ही भांति कायम की गई हैं, जो निम्न हैं:—

चक्र तशखीश	घराट किस कदर जारी रहता है	तादाद चक्की	भू-राजस्व दर प्रति चक्की	भू-राजस्व राशि
1	2	3	4	5
1. नेवल-मझठ	बारह माही	11	6.00	66.00
	छः माही	1	4.00	4.00
2. पर्वत	बारह माही	38	6.00	223.00
	नौ माही	5	5.00	25.00
	छ माही	11	4.00	44.00
	तीन माही	12	3.00	36.00
	जोड़	78	—	403.00

इस प्रकार उप-तहसील टिककर के हाल बन्दोवस्त में कुल 22,300/- रुपये नवीन भू-राजस्व कायम करने की तजवीज (प्रस्तावना) है।

11. उक्त प्रस्ताव भू-राजस्व में हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व (साधारण) निर्धारण नियम, 1984 के नियम 19 व पंजाब भू-व्यवस्था नियमावली जिस कदर हिमाचल प्रदेश में लागू है, के पैरा-522 के अर्थानुसार मूहालवार रेट सम्पदा निरीक्षण टिप्पणी अनुसार भू-राजस्व दरें व मांग रकबा मजरूआ पर (बागीचा के अतिरिक्त) कमी/बेशी की जाएगी।

12. उक्त प्रस्तावित भू-राजस्व में ऐसे रकबाजात जो सरकार की मलकियत के हैं और काबिजान नाजायज के कब्जा में देरीजा हैं, का भू-राजस्व भी शामिल है जो कागजात माल में बाछ होकर "न काबिले वसूल" रहेगा (काबिजान नाजायज की मलकियत मिलने की सूरत में बाद में यह वसूल होगा।

13. उक्त प्रस्तावित भू-राजस्व पर नियमानुसार 20 प्रतिशत हत लम्बरदारी व 35 प्रतिशत लोकल रेट, इस प्रकार कुल 65 प्रतिशत "खाई" भी कायम की जाएगी।

14. प्रस्तावित नवीन भू-राजस्व मय "खाई" की वसूलो फसल खरीफ 2002 से की जाएगी।

अतः हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व (साधारण) निर्धारण नियम, 1983 के नियम 17(2) के अर्थानुसार उप-तहसील टिक्कर, जिला शिमला के भू-राजस्व अभिदाताओं को इस कार्यालय के प्रस्तावना नम्बर रैव0 (एस0 टी0) एस0 एम0 एल0/ए0-टि0-1/2002-400 व 401 दिनांक 2 सितम्बर, 2002 द्वारा सूचित करवाया जा चुका है जिसमें 30 दिन के अन्दर उजर/एतराज/सुझाव मांगे गए थे लेकिन विहित अवधि व्यतीत हो जाने पर किसी से कोई उजर/एतराज/सुझाव इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुए लिहाजा इस प्रस्तावना को अन्तिम रूप दिया जाता है।

एल0 आर0 मोहिल,
भू-व्यवस्था अधिकारी,
शिमला मण्डल, शिमला-9.